Research Review
The Refereed & Peer Review International Journal
www.researchreviewonline.com

ISSN : 2321- 4708
Aug 2019, Year - 6 (76)
Paper ID : RRJ000012

"हिंदी भाषा और करियर"

डॉ. मालदेए. कुछाडिया
आ.शिक्षक
स्टेशन प्लाट पे. कु. शाला
राणावाव (जि. पोरबंदर)

हिंदी विश्वमे चीनी भाषा के बाद सर्वाधिक बोली जानेवाली भाषा है तथा इस भाषा को समझने वाले लोगों की कुल संख्या ९० करोड़ है । हिंदी भाषा कामूल प्राचीन संस्कृत भाषा में है । इसभाषाने अपना वर्तमान स्वरूप कई शताब्दियों के पश्चात हांसिल किया है और बड़ी संख्यामें बोलीगत विभिन्नताए भी मौजूद है। हिंदी की लिपि देवनागरी लिपि है, जो की कई अन्य भारतीय भाषाओं के लिए संयुक्त है ।

हिंदी भाषा एवं साहित्य को लेकर कुछ पूर्वाग्रह बने हुए है।आजकल वर्तमान समय में कई लोगों के मुख से सुनने को मिलता है कि हिंदी का कोई भविष्य नहीं है लेकिनमौजूदा समय में उपलब्ध करियर विकल्प ऐसे पूर्वाग्रहों को जुठ्लाते है । अगर हिंदी भाषा के साथ साथ अच्छी अंग्रेजी या विदेशी भाषा या क्षेत्रीय भाषा का ज्ञान रखते है तो हमारे लिए सरकारी से लेकर निजी क्षेत्रों तक करियर के विकल्प मौजूद है ।

सरकारीक्षेत्रों में रोजगार के अवसर :-

सरकारी संस्थानों एवं मंत्रालयों में राजभाषा अधिकारी का पद होता है इसके आलावा सरकारीबैंकों, बिमाकंपनियों में राजभाषा अधिकारी की नियुक्ति की जाती है । हिंदी में पोस्ट ग्रेजुएशन, साथ में ग्रेजुएशन स्तर पर एक विषय केतौर पर अंग्रेजी की पढाई करने वाले आचार्य, राजभाषा अधिकारी स्तर परकेरियर बना सकते हैं। फिर इस पद से आगे पदोन्नति के मौके मिलते है । हिंदी साहित्य में स्नातक होने के बाद यु.पी.एस.सी. आदि परीक्षाओं में सामिल हो सकते है । हिंदी साहित्य में बी.ए., एम.ए., पीएच.डी.करके अध्यापक का करियर पसंद कर सकते है । इसके साथ-साथ बी.एड्. करने के बाद स्कूल में शिक्षक भी बन सकते है ।

कोपी राइटर में करियर :-

हिंदीभाषाके कोपीराइटर केलिए विज्ञापन इंडस्ट्री से लेकर रेडियोएवं पत्रिकओं तक में मौके मौजूद है । कल्पना एवं विस्मयकारी लेखन कौशल के संयोजन से कोई व्यक्ति एक बेहतरीन कोपी राइटर बन सकता है । कोपी राईटर का मुख्य काम विज्ञापन, रेडियो एवं टीवी केलिए स्क्रिप्ट, स्लोगन पंचलाइन आदि लिखना होता है । कोपी राइटर की मुख्य जिम्मेदारी किसी विचार को शब्दों का एक बेहतरीन आधार प्रदान करना होता है।

लेखकके तौर पर करियर :-

ISSN : 2321- 4708
Aug 2019, Year - 6 (76)
Paper ID : RRJ000012

अगर हम हिंदी के साथ एम्.ए. की पढाई करने के बाद लिखने में माहिर हो जाते है और संवेदनशील एवंकल्पनाशील भी है तो लेखन हमारे लिए बेहतरीन करियर है । लेखन महसूस किये हुए को शब्दों में बयां करने की कला है । इसमे कोई भी कोर्ष या डिग्री की जरुरत नहीं है । इसमे सिर्फ भाषा का अच्छा ज्ञान जरुरी है। लेखकबननेके लिए धैर्य और एकाग्रता भी बहुत जरुरी है । शुरुआत अपने अनुभवों को कविता, कहानी या लघुकथा के रुप में लिखने के साथ कर सकते है । फिर एक स्वतन्त्र लेखक के रूप में पहचान बना सकते है । या फिर किसी पत्रिका के लिए काम कर सकते है । इन्टरनेट के माध्यम से अपना ब्लॉग बनाकर उस पर भी प्रकाशित कर शकते है ।

फिल्मएवंटेलेविज़न इंडस्ट्री में लेखन :-

हिंदी साहित्यऔर पत्रकारिता में काम करनेवाले के पास फिल्म एवं टेलीविजन के लिए पटकथा लेखन और गीतकार के तौर पर भी आगे बढ़ने के विकल्प होते है। हिंदी के कई लेखकों ने साहित्य लेखन के साथ साथ फिल्म एवं टेलीविजन लेखन में योगदान दिया है । इस प्रकार फिल्म एवं टेलीविजन इंडस्ट्री में बेहतरीन करियर की संभावना है।

पब्लिकेशन क्षेत्रमेंकरियरकीसंभावनाएँ :-

हिंदी भाषा पर जिनकी अच्छी पकड़ है उनके लिए प्रकाशन हाउस मेंजॉबकेमौके है । आज हिंदी प्रकाशकों को अच्छी रचनाओं को चुनने, उसका प्रूफ पढने और फ़ाइनल ड्राफ्ट तैयार करने के लिएहिंदी भाषा के जानकारी की जरुरत होती है । कई सरकारी एवं गैर सरकारी एजंसियों, प्रकाशन विभाग में अनुवाद का काम होता है । अतःइस क्षेत्र में भी करियर के मौके है ।

पत्रकारत्व :-

अगर आप के पास हिंदी भाषा पर प्रभुत्व एवं दुनिया से जुडी रोजाना की माहिती के साथ लगाव है तो आप पत्रकारात्व को अपना करियर बना सकते है । किसी दैनिक समाचार पत्र या किसी टेलीवीजन चैनल के पत्रकार के रूप में अपना करियर एक बेहतरीन जीवन माना जाता है । आपकी प्रतिभा के अनुसार आपको किसी टीवी कार्यक्रम का होस्ट, समाचारपाठी(न्युझ रीडर), डायरेक्टर, अनुमोदक, डिबेट मास्टर, क्विज़ मास्टर आदिविध पदों पर नियुक्ति या पदोन्नति मिल सकती है । रजत शर्मा जैशे कई लोग जो की समाज के पिछड़े हुए इलाकों से आये है और आज समाज में एक प्रेरणादायक पत्रकार के रूप में कार्यान्वित है । युनिवर्सिटीयों में आपको पत्रकारित्व के अभ्यासक्रम भी मिल जाते है ।

कारकिर्दी के ऑनलाइन प्रोफाइल:

आज के आधुनिक युग में जो लोग समग्र विश्व को अपना कार्यफलक बनाना चाहते हैउनके लिए ऑनलाइन प्रोफाइल एक उत्तम माध्यम है जिसमे क्रिएटिव राइटर, प्रूफ रीडर, ऑनलाइनएडिटर, समर्थक, स्वयंसेवक,मार्गदर्शक, शिक्षक,प्रशिक्षक,मनोरजंक, ज्ञान प्रसारक,

ISSN : 2321- 4708
Aug 2019, Year - 6 (76)
Paper ID : RRJ000012

कन्टेन्टइम्प्रूवर, प्रचारक, रेलाशिप मेनेजर आदि के रुप में कार्य कर सकते है। या जैसेहमने पहले देखा आपअपना खुद का ब्लॉग, वेब साईट या मोबाइल एप्प बना सकते है जिससे आपको अच्छीखासी आमदनी भी हो सकती है । naukri.com, monster.com, indeed.com, upworks.com, freelances.com आदि वेब साइट्स पर इस प्रकार के रोजगार के लिए मेला लगा रहता है लेकिन एक बात की हमें तकेदारी रखनी होती है कि जो आपको रोजगार देना चाहते है वो आपसे पैसे ऐंठने की कोशिश नहींकरेंगे अतः पैसे लेके काम देने की बात करनेवालों से परहेज रक्खे।

प्रवासन क्षेत्र :

प्रवासनआजकलकारकिर्दीका एक जरिया बन गया है। इस क्षेत्र में अबसकरात्मता का संचार हुआ है। टूर पेकेजिस का आयोजन करना भी एक खूबी मानी जाती है। अकल्पनीय दाम में दुनिया के उत्तम प्रवासन स्थलों पर लोगोंकोपहुँचाना और साथ में उनके निजी जीवन का भी ख्याल रखना ऐसी भावनात्मकताओं के साथ व्यवसाय का अनुसन्धान हुआ है। सरकार इस क्षेत्र को रोजगार के माध्यम से देख रही है तो दुनियाभरके कई विद्यालय, महाविद्यालयएवंविश्वविद्यालयभी आजकल प्रवासन क्षेत्र में निपुणता प्राप्तकराने के लिए अभ्यासक्रमों की भरमार लगा रही है।

इस प्रकार अगर हमारे पास हिंदी भाषा का अच्छा ज्ञान है तो हमइन क्षेत्रों के आलावा भी बैंक और सरकार केयाअन्यकई निजीसंस्थानों में अपना करियर बना सकते है। आज जब हिंदी एकविश्व भाषा बनने जा रही है, तब विदेश में भी हम हिंदी विषय को लेकर हमारी करियर बना सकतेहै।